



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 475]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 26, 1983/कार्तिक 4, 1905

No. 475]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 26, 1983/KARTIKA 4, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1983

क्र०अ० 775(अ):— पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र) जो साधारणतया पी० एफ० ए० के नाम से जानी जाती है, पीपुल्स रेवोल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलीपाक (जिसे इसमें इसके पश्चात् त्रिपाक कहा गया है) और उसकी "रेड आर्मी" और साथ ही त्रिपाक की शाखाएँ जैसे कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (के० सी० पी०) और उसके मण्डल विंग ने जा "रेड आर्मी" कहा जाता है (जिसे इसमें इसके पश्चात् सीपी एक्सट्रीमिस्ट आर्गेनाइजेशन कहा गया है)।—

(i) एक स्वतंत्र मणिपुर बनाने के, जिसमें मणिपुर राज्य समाविष्ट होगा, अपने उद्देश्य की खुले तौर पर घोषणा की है और भारत में वे उक्त राज्य को विलय करने के अपने उद्देश्य के अनुसरण में हिंसात्मक क्रियाकलापों का सहारा लिखा है और इस आशय के इशारे भी निकाले हैं कि वे भारतीय साम्राज्यिक बलों के विरुद्ध जब तक लड़ते रहेंगे जब तक उनके उद्देश्य प्राप्त नहीं हो जाते हैं।

(ii) मशहूर बंगी जर्नल तथा कथित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, रेड आर्मी और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकायों को अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए नियोजित किया

(iii) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए मणिपुर राज्य में सुरक्षा बलों और सिविल सरकार तथा नागरिकों पर हमला करने के लिए उक्त मण्डल बलों को नियोजित किया है तथा वे नागरिकों के विरुद्ध लूट के और उनको अभिन्न करने के और साथ ही अपने संगठनों के लिए निधियों का संग्रहण करने के कार्यों में लगे हुए हैं।

(iv) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए आयुधों और प्रशिक्षण के रूप में सहायता प्राप्त करने के लिए विदेशों में संपर्क स्थापित करने के कुछ प्रयास किए हैं।

और, केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से सीपी एक्सट्रीमिस्ट आर्गेनाइजेशन और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकाय, जिनके अंतर्गत उपरोक्त मण्डल गुप्त है, विधि विरुद्ध संगठन हैं।

और, केन्द्रीय सरकार को यह भी राय है कि पुलिस बलों पर और नागरिकों पर पूर्वोक्त सीपी एक्सट्रीमिस्ट आर्गेनाइजेशन के मण्डल गुप्तों द्वारा हिंसात्मक कार्यों और आक्रमणों की पुनरावृत्ति के कारण, सीपी एक्सट्रीमिस्ट आर्गेनाइजेशन और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकायों को, जिनके अंतर्गत तथाकथित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और रेड आर्मी हैं, तुरन्त प्रभाव से विधिविरुद्ध घोषित करना आवश्यक है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र),

पीपुल्स रेवोल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलीपाक और उसकी रेड आर्मी को और साथ ही त्रिपाक की शाखाओं जैसे कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी और उसके सशस्त्र विंग जो रेड आर्मी कहलाता है और उनके द्वारा बनाए गए अन्य निकायों को विधिविरुद्ध संगम घोषित करती है और, उस धारा की उपधारा (3) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि यह अधिसूचना, उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किए जाने वाले किसी आदेश के अधीन रहने हुए, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा० सं० 11/13/83-एन० ई०-1]

प्रा० प्रा० नय्यर, विशेष गन्धर्व

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th October, 1983

S.O. 775(E).—Whereas the People's Liberation Army (Eastern Region) generally known as the PLA, the People's Revolutionary Party of Kangleipak (hereinafter referred to as PREPAK) and its Red Army as also the offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party (K.C.P.) and its armed wing also called the 'Red Army' (hereinafter referred to as the Meitei Extremist Organisation)—

- (i) have openly declared as their objective the formation of an independent Manipur comprising the State of Manipur and have resorted to violent activities in pursuance of their objective to bring about secession of the said State from the Union of India and have also brought out leaflets that they will go on fighting against the Indian Imperialist Forces until their objectives are attained;
- (ii) have been employing armed forces, namely, the so-called People's Liberation Army, the Red Army and

the other bodies set up by them, to achieve their aforesaid objective;

- (iii) have in furtherance of their aforesaid objective been employing the said armed forces in attacking the Security Forces and the Civil Government and the citizens in the State of Manipur, and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population and collection of funds for their organisations;
- (iv) have, to achieve their aforesaid objective, made some efforts to resume their contacts with foreign countries for securing assistance by way of arms and training.

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Meitei Extremist Organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups of the aforesaid Meitei Extremist Organisations on the police forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Meitei Extremist Organisations and the other bodies set up by them, including the so-called People's Liberation Army and the Red Army, to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the People's Liberation Army (Eastern Region), People's Revolutionary Party of Kangleipak, and its Red Army, as also offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the Red Army and other bodies set up by them to be unlawful associations, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 11/13/83-NF-I]

P. P. NAYYAR, Spl. Secy.